विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग-पंचम, विषय- हिंदी ,

दिनांक-14-06-2021 एन.सी.ईआर.टी पर आधारित

पाठ -6 अमूल्य उपहार

सुप्रभात बच्चो,

आज की कक्षा में आपको पाठ- 6 अमूल्य उपहार एकांकी नाटकीय अध्ययन करना होगा जो इस प्रकार है—

पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

(एक सजे -सजाए घर का दृश्य। बहुत से बच्चे और स्त्री -पुरुष पिंटू की वर्षगांठ है। पिंटू के पिता दरवाजे पर खड़े होकर आने वालों का स्वागत कर रहे हैं। सभी लोगों के हाथ में कोई -ना -कोई उपहार है। दूर कोने में खड़ा एक गरीब बालक सारा दृश्य देख रहा है।)

पिंटू-अब तो सब मेहमान आ चुके हैं पापा !आइए ,चलें।

पापा-अभी तुम्हारी मम्मी की सहेली शारदा कहां आई है।

पिंटू-मम्मी की सहेली तो बहुत देर लगाती है पापा!वे बहुत आलसी है ना?

पापा--आलसी नहीं बेटे, लेटलतीफ है। वैसे भी महिलाओं का तैयार होना कोई आसान काम नहीं है।

(तभी सामने से बनी-संवरी, बढ़िया साड़ी पहने एक महिला हाथ में उपहार लिए आती हुई दिखाई देती है।)

पिंटू-नमस्ते आंटी।

शारदा-नमस्ते, नमस्ते पिंटू जी। इतने बड़े , इतने बड़े जितना ताड़।

पापा-तिल का ताड़ मत बनाइए बहिन जी! अभी तो पिंटू तिल है, नन्हा सा तिल।

शारदा--पर भाई साहब,यह आंख वाला तिल है या लड्डू वाला?

पापा-(ठहाका लगाते हुए) जो भी आप समझो।

पिंटू-अच्छा आंटी, जल्दी चलो अब। सारा कार्यक्रम लेट हो रहा है।

शारदा-हां- हां पिंटू साहब, आपको तो एक 1 मिनट भारी लग रहा होगा ना।

पिंटू-बिल्कुल आंटी।

आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य-

शब्दार्थ-

उपहार -भेंट

लेट लतीफ –हर काम में देरी करने वाला

तिल का ताड़ बनाना—छोटी सी बात को अधिक महत्व देना

तकरार -झगड़ा

तोहफा –भेंट

बतियाना –बातें करना

मन आना -अच्छा लगना।

दिए, गए शब्दार्थ याद करें।